Regenerative Production
Landscape Collaborative



रीजनरेटिव प्रोडक्शन लैंडस्केप कोलैबोरेटिव

जन समुदाय, प्रकृति और अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचाने के लिए मध्य प्रदेश, भारत में पुनर्योजी और पुनर्स्थापनात्मक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित



Laudes Foundation

idh

WWF

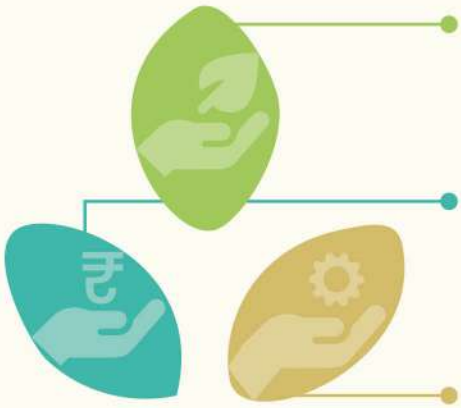
रीजनरेटिव प्रोडक्शन लैंडस्केप कोलैबोरेटिव

भारत के मध्य प्रदेश में कृषि पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए एक नव प्रवर्तनशील क्षेत्रीय मॉडल लागू किया जा रहा है जो व्यवसायों को जिम्मेदारीपूर्ण स्रोत में सक्षम बनाते हुए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में वृद्धि करता है और समाज के अनुकूल बनाता है।

जलवायु परिवर्तन छोटे किसानों की आजीविका, प्राकृतिक संसाधनों और कृषि–खाद्य प्रणालियों के लिए खतरा बन गया है। एक क्षेत्र में किसान फसल उत्पादन और प्राकृतिक पर्यावरण के बीच एक सहजीवी संबंध में भूमि, पानी और जैव विविधता के समग्र स्वास्थ्य पर निर्भर करते हैं।

छोटे किसानों और स्थानीय अर्थव्यवस्था को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अधिक अनुकूल बनाते हुए पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण करने वाले **कृषि पारिस्थितिक तंत्र के बारे में फिर से विचार करने की आवश्यकता है।**

लॉड्स फाउंडेशन, आईडीएचए और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया द्वारा स्थापित, इस सहयोग का उद्देश्य एक मॉडल को बढ़ावा देना और माप करना है जहां:



- उत्पादक प्राकृतिक और पुनः उर्वरता प्राप्त करने वाले कृषि सिद्धांतों का उपयोग करके कृषि–फसलों को उगाएं जो प्राकृतिक संसाधनों को पुनर्जीवित करें और कृषि प्रणालियों से उत्सर्जन को कम करें
- छोटे किसान और समुदाय बेहतर आर्थिक स्थिरता के माध्यम से फलते–फूलते रहें, आजीविका बढ़ाते रहें और निर्णय लेने में अधिक भागीदारी करते रहें
- व्यवसाय सम्मिलित आपूर्ति श्रृंखला संबंध बनाते समय साधनों का जिम्मेदारी से उपयोग कर सकें

इसे प्राप्त करने के लिए, कोलैबोरेटिव स्थानीय रूप से संचालित, बहु–साझेदार प्रबंधन संरचनाओं का समर्थन करेगा जो बाजार परिवर्तन को संचालित करते हैं – उन सरकारी संस्थानों को एक साथ लाते हैं, टिकाऊ और हरित विकास को सक्षम बनाते हैं, संगठन जो अधिक समावेशी निर्णय लेने के लिए जिम्मेदारी से संसाधनों, समुदाय और उत्पादक संगठनों के लिए प्रतिबद्ध हैं, और उन निवेशकों और पूंजी लगाने वालों को प्रभावित करते हैं जो बड़े पैमाने पर सतत विकास के लक्ष्यों को पूरा करने वाले समाधान चाहते हैं।

प्रणालियों में परिवर्तन तथा भू–रखरखाव (लैंडस्केप गवर्नेंस) के लिए

2021-2026 के लक्ष्य

1 राज्य स्तर पर बहुप्रतिभागी समझौता

2 क्षेत्रीय पब्लिक–निजी समझौता

लैंडस्केप गवर्नेंस के अंतर्गत **3,00,000+** हैक्टेयर

क्षमता निर्माण ऋण, निवेश प्राप्त करने वाले **1,20,000** से अधिक किसान जो पुनः उर्वरता प्राप्त करने वाली पद्धतियां अपनाते हैं

15+ से अधिक कंपनियां और व्यापारी लोगों एवं प्रकृति तथा अर्थव्यवस्था के लिए अनुकूल उद्यमों के लिए कार्य कर रहे हैं

कम से कम **50 प्रतिशत** निजी क्षेत्रों और वित्तीय क्षेत्रों से पूंजी सहयोग प्राप्त किया गया है

1,00,000 हेक्टेयर कृषि भूमि जहां सतत् भूमि प्रबंधन पद्धतियां लागू की गई हैं

पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए मॉडल

निजी क्षेत्र में सतत् उत्पादित वस्तुओं तक पहुंच **बढ़े**

छोटे किसानों से लेकर बाजारों तक **मूल्य श्रृंखला में वित्त और निवेश** की बेहतर पहुंच

कार्यक्रम के
प्रमुख परिणाम

- किसानों को जैविक और पुनः उर्वरता प्राप्त करने के सिद्धांतों का प्रयोग करके अपनी फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है
- कार्यक्रम के लिए एक मजबूत बहु–साझेदार संचालन करने के लिए सार्वजनिक और निजी साझेदारों की भागीदारी
- क्षेत्र से टिकाऊ उपज के लिए बेहतर बाजार पहुंच
- टिकाऊ और सम्मिलित सेवा वितरण के लिए उत्पादकों और मूल्य श्रृंखला तक वित्तीय पहुंच
- उत्पादकों के लिए एक जीविका आय सुनिश्चित करने और किसानों और समुदायों के अधिकारों की रक्षा करने के लिए सभी साझेदारों की प्रतिबद्धता (लिंग को ध्यान में रखते हुए)
- पारिस्थितिकी तंत्र की कार्यक्षमता को उत्सर्जन में कमी, मृदा स्वास्थ्य में सुधार, बेहतर जल प्रबंधन प्रथाओं और जैव विविधता की अनुकूलता से बढ़ाना
- व्यवहारिक उद्यम मॉडल के विकास में किसान उत्पादक संगठनों और कृषि–उद्यमियों को सहयोग जो छोटे किसानों को महत्वपूर्ण जानकारी और सेवाएं प्रदान करते हैं

कार्यक्रम निम्नलिखित में योगदान देता है
प्रभाव क्षेत्र

- **मृदा स्वास्थ्य** और मृदा कार्बन सामग्री को पुनर्स्थापित करना और पुनर्जीवित करना
- **जीविका आय** की दिशा में छोटे किसानों की आय में सुधार करना
- कृषि और संबद्ध गतिविधियों से **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन** को कम करना
- एक संसाधन के रूप में **पानी की पहुंच और प्रबंधन** में सुधार
- प्रकृति आधारित समाधानों के माध्यम से **जैव विविधता** का संरक्षण और संवर्धन
- सामाजिक आर्थिक स्थानों में समुदाय में **बेहतर लैंगिक समानता** और महिलाओं का सशक्तिकरण

सतत विकास लक्ष्यों को

हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध



इन समावेशी लक्ष्यों को प्राप्त करने और स्थायी भू–प्रबंधन को प्रेरित करने के लिए आईडीएच के उत्पादन, संरक्षण और समावेशी (पीपीआई) सहयोगात्मक दृष्टिकोण लागू करता है।

भूमि रखरखाव (लैंडस्केप गवर्नेंस) को मजबूत करना

बहु–साझेदार गठबंधन | प्रतिबद्धता | नीतियों को सक्षम बनाना | समझौता | निगरानी

मांग को आपूर्ति के साथ जोड़ना

वैश्विक और स्थानीय मांग | सत्यापित संसाधन के क्षेत्र

वित्त के नए संसाधनों को बढ़ाना

तकनीकी सहायता | निवेश योग्य परियोजनाएं | नए वित्तीय संसाधन

उत्पादन, संरक्षण व समावेश दृष्टिकोण सतत उत्पादन को लागू करना

सतत् उत्पादन

- सतत् उत्पादन और पुनः उर्वरता प्राप्त करने वाली कृषि–पद्धतियों को अपनाना
- ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन घटाना

समावेश

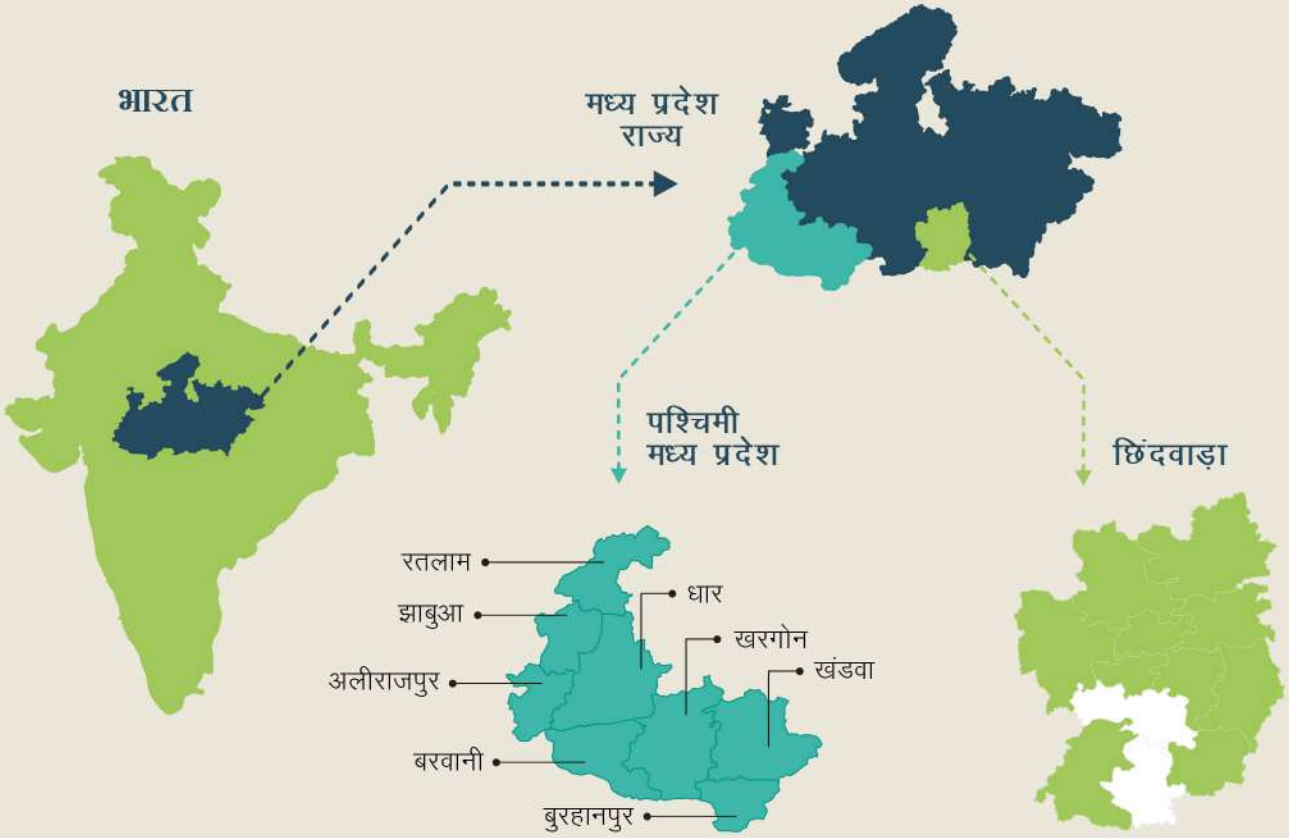
- आय वृद्धि
- आपूर्ति श्रृंखला में लैंगिक हिस्सेदारी
- जनजाति समुदायों के लिए जीविका में वृद्धि

संरक्षण और पुनर्स्थापना

- जल प्रबंधन करना और उपलब्धता में वृद्धि
- मृदा स्वास्थ्य पुनर्स्थापना
- जैव–विविधता संरक्षण

क्षेत्र कार्यक्रम

2026 तक, आरपीएलसी मध्य प्रदेश में कपास उगाने वाले सभी क्षेत्रों को इन–फील्ड हस्तक्षेपों, मूल्य श्रृंखला विकास, संस्थानों और शासन निर्माण के संयोजन के माध्यम से कवर करते हुए, और परिदृश्य में समग्र रूप से लघुधारक प्रतिरोध क्षमतापूर्ण को संबोधित करने के लिए ठोस सार्वजनिक–निजी संस्थानों को साथ लाएगा।



सम्मिलित कार्यवाही और स्थानीय प्रशासन के माध्यम से सभी चुनौतियों का समाधान करने के लिए बहु–साझेदार समझौता करना

आरपीएल कोलैबोरेटिव 2026 तक तीन दो कॉम्पैक्ट बनाने और मजबूत करने की दिशा में काम करेगा।

समझौता एक संसाधन क्षेत्र में एक स्थानीय बहु–हितधारक गठबंधन है जिसमें एक समन्वित, समयबद्ध और संसाधन–प्रतिबद्ध तरीके से स्थिरता चुनौतियों के समाधान का समझौता होता है।

मुख्य हिस्सेदार स्थानीय सरकार, स्थानीय नागरिक समाज संगठन, उत्पादक समूह/सहकारिता और व्यापारी हैं। एक समझौते के सदस्य भूमि की निरंतरता और उत्पादकता को बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पुनः उर्वरता प्राप्त करने के बदले सामुदायिक आजीविका को सुरक्षित करने के लिए मिलकर कार्य करते हैं।

हम सरकार, निजी क्षेत्रों, सीएसओ, किसान संगठनों, समुदायों और अन्य समर्थकों से समान विचारधारा वाले भागीदारों को मध्य प्रदेश, भारत में पुनः उर्वरता प्राप्त करने वाली और पुनर्स्थापित उत्पादन प्रथाओं को बढ़ाने के लिए एक साझा, दीर्घकालिक दृष्टि और दृष्टिकोण के निर्माण में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

मंत्रालय और राज्य सरकार के विभाग

जो संयुक्तता और एक सक्षम नीतिगत वातावरण को प्राथमिकता दे रहे हैं

जो विस्तार सहयोग के माध्यम से खेत स्तर पर त्वरित व्यवहार परिवर्तन और केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं और सब्सिडी के साथ संयुक्तता को सबल बनाकर सतत विकास में सहयोग करता है।

उद्यम

जो स्थायी रूप से स्रोत करना चाहते हैं, अपनी ईएसजी योग्यता में सुधार करना चाहते हैं, और

सोर्सिंग जिम्मेदारी, नवीन फंडिंग मैकेनिज्म को लागू करने और सप्लाई चेन में सह–निवेश करके अपने कॉर्पोरेट उद्देश्य को मजबूत करना चाहते हैं।

वित्तीय संस्थान

जो नवोन्मेषी तंत्रों को विकसित करना और/या अपनाना चाहते हैं जो वित्त पोषण के विशिष्ट क्षेत्र–आधारित दृष्टिकोण से पूरा कर सकते हैं या आगे बढ़ सकते हैं

बड़े कृषि निवेशों और कृषि संबंधी क्षेत्रों का सहयोग करके, जिनके लिए दीर्घकालिक वित्त पोषण और/या समूह भुगतान और प्रौद्योगिकी में उन्नति की आवश्यकता होती है।

समझौते की आवश्यकता क्यों है?

- बड़े पैमाने पर प्रभाव प्रदान करना।
- लैंडस्केप स्तर पर हिस्सेदारों के साथ जुड़ने का ढांचागत तरीका।
- निगरानी और वित्तपोषण संरचनाएं।
- निवेश को जोखिम मुक्त करने के लिए सुरक्षित वातावरण।
- लैंडस्केप स्तर के लक्ष्यों का स्वामित्व।

निवेशकों और वित्तीय सहायता करने वालों पर प्रभाव

जो एसडीजी पर प्रभावित करने वाली परियोजनाओं को आंकना चाहते हैं

निवेश के द्वारा एफपीओ के लिए कुछ उच्च प्रभाव, अभिनव समाधान संचालन के लिए विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्र के संस्थानों के बीच सहयोग बनाना और मजबूत करना।

नागरिक समाज संगठन

सामूहिक हितों के विकास और जिम्मेदारी बढ़ाकर अपने परिवर्तन के संचालकों को प्रभावी बनाने में समुदायों की क्षमताओं में सहयोग करती हैं।

एकजुटता तंत्र प्रदान करके और भागीदारी को बढ़ावा देकर; सभी सामुदायिक समूहों को समान रूप से सेवा प्रदान करने में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होना; और प्रभाव को बढ़ाने के लिए अनुसंधान करना शामिल है।

कृषक उत्पादक संगठन

जो अपने आर्गेनिक आपूर्ति श्रृंखला का विस्तार करना चाहते हैं और जलवायु परिवर्तन के जोखिम के लिए बेहतर तैयारी करना चाहते हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं में योगदान द्वारा परिवर्तन को सुगम बनाने के द्वारा खेती की संरक्षण पद्धतियों के लिए जो सकारात्मक पर्यावरणीय परिणाम देने वाली जैसे कार्बन पृथक्करण, जल प्रबंधन, बायो–गैस उत्पादन, और सामाजिक वानिकी में योगदान करना।

आपकी भागीदारी आपके निवेश की सफलता को आगे बढ़ाने में आपको एक सक्रिय आवाज देते हुए इस हस्तक्षेप को मजबूत और स्केल करने में मदद करेगी।

लॉड्स फाउंडेशन

अपने भागीदारों को परोपकारी पूंजी, विशेषज्ञता और संपर्क प्रदान करते हुए, लॉड्स फाउंडेशन सिस्टम परिवर्तन को उत्प्रेरित करने में मदद करता है। यह सभी उद्योगों में काम करता है, वित्तीय क्षेत्र को एक नई अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने के लिए प्रभावित करता है, जो सभी लोगों और प्रकृति को महत्व देता है। इन दो रणनीतियों को एक न्यायोचित और पुनरुत्पादक अर्थव्यवस्था की ओर मौजूदा आंदोलन को गति देने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। पिछले पांच वर्षों में, फाउंडेशन ने मध्य प्रदेश में कपास बेल्ट में कई परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है और स्थानीय कृषि–विश्वविद्यालयों और सरकार के साथ महत्वपूर्ण संबंध बनाए हैं।

आईडीएच, एक स्थायी व्यापार योजना

आईडीएच, सार्वजनिक–निजी भागीदारी में कंपनियों, सीएसओज, सरकारों और अन्य सार्वजनिक–निजी भागीदारियों का आयोजन करता है और बड़े पैमाने पर हरित और समावेशी विकास का एहसास करने के लिए आर्थिक रूप से व्यवहारिक दृष्टिकोणों के संयुक्त डिजाइन, सह–वित्तपोषण और प्रोटोटाइप को चलाता है। दुनिया भर के 40 से अधिक देशों में 12 क्षेत्रों और 12 लैंडस्केप्स में, आईडीएच उद्योगों का लाभ उठाता है ताकि सतत विकास लक्ष्यों पर बड़े पैमाने पर प्रभाव पैदा करते हुए अवसर से लेकर मानक तक स्थिरता से चलाया जा सके। स्थायी भू–प्रबंधन के लिए, आईडीएच ने उत्पादन, संरक्षण और समावेशन का त्रि–आयामी दृष्टिकोण विकसित किया है।

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया

पर्यावरण संरक्षण के एजेंडे को आगे बढ़ाने के अपने मिशन में, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया समाज के विभिन्न वर्गों में व्यक्तियों और संस्थानों के विभिन्न समूहों के साथ काम करता है। ये गठजोड़ जैव विविधता के संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग और वन्य जीवन तथा उन पर निर्भर लोगों के अस्तित्व के लिए पारिस्थितिकी तंत्र और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखने के सामान्य लक्ष्य को पूरा करने का प्रयास करते हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया ने छिंदवाड़ा में 6,000 कपास किसानों के साथ जैविक कपास कार्यक्रम लागू किया है।

अपने संगठन के बारे में अधिक जानकारी के लिए शामिल हो सकते हैं, संपर्क कर सकते हैं:

मानवेंद्र प्रताप सिंह
लीड–प्रोग्राम सेक्रेटेरिएट
रीजनरेटिव प्रोडक्शन लैंडस्केप कोलैबोरेटिव

मोबाइल नं. +91 9755596914
ईमेल: manvendrasingh@idhtrade.org



Laudes Foundation idh WWF